रणजीत टाइम्स
इंदौर
गुरुवार, 21 मई, 2026
वर्ष-2 |अंक-122 |कुल पृष्ठ:8-Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

एक करोड़ की डकैती का मास्टर माइंड गिरफ्तार

जनवरी में रायखेड़ी में परिवार को बंधक बनाकर लूट की थी

विदिशा. विदिशा की त्योदा पुलिस ने 1 करोड़ की डकैती के फरार आरोपी अमन पटेल को बहादुरपुर से गिरफ्तार किया। जनवरी में रायखेड़ी में परिवार को बंधक बनाकर लूट की थी।

विदिशा जिले की त्योदा पुलिस ने सात महीने से फरार चल रहे एक शातिर बदमाश को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने जनवरी 2026 में ग्राम रायखेड़ी में एक घर में धावा बोलकर करीब एक करोड़ रुपये की सनसनीखेज डकैती को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी अमन पटेल को ग्राम बहादुरपुर से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 30 ग्राम सोना, 50 हजार रुपये नकद, एक देशी कट्टा और वारदात में इस्तेमाल की गई राइडर मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद मशरूके की कुल कीमत करीब साढ़े पांच लाख रुपये बताई जा रही है।

घटना 23-24 जनवरी 2026 की मध्यरात्रि की है। रायखेड़ी निवासी बृजबिहारी कुर्मी के घर में हथियारबंद बदमाश घुस आए थे। आरोपियों ने पूरे परिवार को गन पॉइंट पर लेकर एक कमरे में बंद कर दिया और अलमारी में रखे सोने-चांदी के गहने तथा नकदी लूटकर फरार हो गए थे। वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया था। पीड़ित परिवार की

शिकायत पर त्योदा थाने में डकैती सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर त्योदा थाना प्रभारी ने विशेष टीम गठित की थी। जांच के दौरान पुलिस ने पहले ही कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन मुख्य आरोपी अमन पटेल लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस को सूचना मिली कि अमन बहादुरपुर गांव में छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

पूछताछ में अमन ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने 30 ग्राम सोने के जेवर, 50 हजार रुपये नकद, एक देशी कट्टा और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस का मानना है कि आरोपी ने लूट की बाकी रकम और जेवरात अपने साथियों में बांट दिए या ठिकाने लगा दिए हैं। बरामद सामान की कीमत करीब साढ़े पांच लाख रुपये आंकी गई है।

त्योदा थाना प्रभारी ने बताया कि अमन पटेल एक संगठित गिरोह का हिस्सा है। गिरोह ने पहले रैकी की और फिर सुनियोजित तरीके से रात में डकैती की वारदात को अंजाम दिया। परिवार को बंधक बनाकर दहशत फैलाना और मिनटों में माल समेटकर फरार हो जाना इनका तरीका था। गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश जारी है। पुलिस को उम्मीद है कि अमन से पूछताछ में और अहम खुलासे हो सकते हैं।

डकैती के बाद से रायखेड़ी और आसपास के गांवों में ग्रामीण रातभर जागकर पहरा दे रहे थे। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। पीड़ित बृजबिहारी कुर्मी ने कहा कि पुलिस ने उम्मीद से बढ़कर काम किया है और बाकी माल भी जल्द बरामद होने की उम्मीद है।

एसडीओपी ने बताया कि आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। गिरोह के नेटवर्क, हथियारों के स्रोत और बाकी लूट की रकम कहां छिपाई गई है, इसका पता लगाया जाएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि डकैती जैसी संगीन वारदात में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

अर्धनग्न होकर डांस करने और तोड़फोड़ मचाने वाले 18 छात्र पहचाने गए

अब माफी मांग रहे

इंदौर. यूनिवर्सिटी ने कड़ा रुख अपनाते हुए इन छात्रों की फाइनल ईयर की परीक्षा पर रोक लगा दी है और प्रति छात्र 25 हजार रुपए का जुर्माना तय किया है।

इसके साथ ही दोषियों का रिजल्ट रोकने का सख्त फैसला लिया गया है।

इंदौर के प्रतिष्ठित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी यानी आईईटी विभाग के हॉस्टल में पिछले दिनों हुए गंभीर अनुशासनहीनता के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। हॉस्टल परिसर के भीतर अर्धनग्न अवस्था में डांस करने और सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाने वाले हुड़दंगी छात्रों में से अब तक 18 स्टूडेंट्स को पूरी तरह से चिन्हित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय प्रबंधन इस घटना में शामिल अन्य छात्रों की पहचान करने की प्रक्रिया में भी तेजी से जुटा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही इस उपद्रव में शामिल सभी छात्रों की शिनाख्त पूरी हो जाएगी, उन सभी को एक साथ कड़े प्रशासनिक नोटिस जारी किए जाएंगे।

इस बेहद गंभीर मामले को देखते हुए प्रबंधन ने फिलहाल फाइनल ईयर के दोषी छात्रों को उनकी आखिरी परीक्षा में बैठने से अस्थाई रूप से रोक दिया है। प्रबंधन के अनुसार, इस पूरे मामले की विस्तृत और निष्पक्ष जांच पूरी होने के बाद ही इन रोके गए छात्रों को परीक्षाओं में बैठने की अनुमति मिलेगी।

पीथमपुर की एक प्लास्टिक बैग बनाने वाली कंपनी में लगी भीषण आग

विस्तृत समाचार पेज 4 पर

पीथमपुर की एक प्लास्टिक बैग बनाने वाली कंपनी में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। आग स्क्रैप यार्ड में रखे थिनर और पेंट के ड्रमों से शुरू हुई और तेजी से पूरे परिसर में फैल गई। समय रहते 90 से अधिक मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

बढ़ते जलसंकट को लेकर जनप्रतिनिधियों की बैठक

विस्तृत समाचार पेज 4 पर

कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

जिले में भ्रामक जानकारियां ना फैलाए, शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील

दिलीप पाटीदार

धार जिला मुख्यालय पर कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में आपसी भाईचारा, सांप्रदायिक सौहार्द और सुदृढ़ कानून व्यवस्था को बनाए रखना था। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना ने कहा कि जिला हमेशा से ही आपसी सद्भाव और शांति का प्रतीक रहा है। आगामी त्योहारों और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने समिति के सभी सदस्यों से समाज में सकारात्मक माहौल बनाए रखने में सहयोग की अपील की। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रशासन किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों द्वारा भी जिले में शांति और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में कई व्यावहारिक एवं महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर और एसपी ने सदस्यों द्वारा दिए गए सभी रचनात्मक सुझावों का स्वागत किया और उन्हें प्रशासनिक व्यवस्थाओं में शामिल करने का भरोसा दिलाया। पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा ने कानून व्यवस्था को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी देते हुए विशेष रूप से सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी व्यक्ति बिना पुष्टि के भ्रामक जानकारी, अफवाहें या उत्तेजक संदेश सोशल मीडिया पर प्रसारित न करे। इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की निरंतर निगरानी की जा रही है, और अफवाह फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। बैठक के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रशासन को हर स्तर पर पूर्ण सहयोग देने की बात कही ।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा सहित शांति समिति के सम्मानित सदस्य, प्रबुद्ध नागरिक और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

इंदौर में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 35वी पुण्यतिथि पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह ने श्रद्धा सुमन अर्पित की

इंदौर- महू- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 35वी पुण्यतिथि पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष चुरहट विधायक अजयसिंह राहुल भैया ने इंदौर में श्रद्धा सुमन अर्पित कर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल के निवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आत्मीय भेंट कर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य रूप से अजयसिंह राहुल भैया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, डॉ महेंद्रसिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, जुगनू जादवसिंह धनावत, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष गजेंद्रसिंह राठौर, जितेंद्रसिंह ठाकुर, राकीब खान, रोहित अग्रवाल, पीसी राजपूत इत्यादि सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी के बीच महू के गिरनार सिटी-2 में मानवता और प्रकृति प्रेम की मिसाल देखने को मिली। सुतारखेड़ी स्थित राम मंदिर परिसर में अमृत कंठ अभियान के अंतर्गत पक्षियों के लिए सकोरे वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान अशोक अटोदे ने कहा कि गर्मी के कारण जलस्रोत सूख रहे हैं, जिससे बेजुबान पक्षियों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। कई पक्षी प्यास के कारण अपनी जान भी गंवा देते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों, छतों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें। इस अवसर पर उपस्थित कॉलोनीवासियों ने अभियान की सराहना करते हुए इसे प्रकृति और जीवों के प्रति संवेदनशीलता का प्रेरणादायी प्रयास बताया। कार्यक्रम में नरेंद्र कुमार मालविया, गोपाल विनोदिया, सुरेंद्र पाटीदार, भरत नायडू, संजय चौहान, दिनेश गोडाले, रोहित पुरोहित एवं हरिसिंह कौशल सहित कई लोग मौजूद रहे।

युवा नेता मोनू अग्रवाल जी
को जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
आपका जीवन सुख, समृद्धि और
सफलता से सदैव आलोकित रहे।
समाज सेवा और जनहित के कार्यों में
आप निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें।
ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको
उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल
भविष्य प्रदान करें।

श्यामा स्व सहायता समूह में लाखों का घोटाला

श्यामा स्व सहायता समूह प्रमुख संचालन प्रभा गुप्ता के द्वारा समूह चलाया जा रहा है और जिसमें हमें काफी समय से जानकारी मिल रही थी कि प्रभा गुप्ता के द्वारा चलाया गया समूह मैं काफी दिन से मिड डे डील खाने में गड़बड़ी की जा रही है जब इसकी जानकारी प्रमुख संचालक प्रभा गुप्ता से बात करने की कोशिश की तो 6 से 7 दिन तक बातों को टालमटोल करती रही एवं रिपोर्टर राजेन्द्र राजपूत को झुठ बोलकर इधर-उधर घूमाती रही जब से रिपोर्टर राजेन्द्र राजपूत मैं उनके ऑफिस में जाकर जानकारी ली तो इसमें कुछ अधिकारियों के नाम भी सामने आए जिसमें कि यह बिल पास करने के नाम पर उन्हें फंड देती थी और पिछले दो से तीन महीना का बच्चों में बाटे जाने वाला 14 14 कुंतल गेहूं भी इन्होंने बेचकर गरीब बच्चों के मुंह से निवाला छिनने का काम कर रही है जब हमारी पत्रिका राजेंद्र राजपूत जी ने इनसे बात करने की कोशिश की तो किसी पत्रकार अतुल यादव के द्वारा इस बात को दबाने के लिए प्रेशर किया गया कि इस मामले को खत्म कर दिया जाए मैं खाद विभाग आपूर्ति अधिकारी से निवेदन करता हूं कि उक्त मामले की न्याय पूर्वक जांच हो एवं कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए भोपाल मध्य प्रदेश से राजेंद्र राजपूत की रिपोर्ट ।

11 हजार से अधिक बच्चों को मिला मनचाहे विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश

निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश के लिए द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया संपन्न

मंदसौर. शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी की प्रकिया बुधवार को संपन्न हो गई। इसमें 11 हजार 485 बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश मिला। इस लॉटरी प्रक्रिया में उन बच्चों को शामिल किया गया था, जिन्हें प्रथम चरण की लॉटरी में उनकी पसंद के स्कूल आवंटित नहीं हो सके थे। ऐसे बच्चों को निजी विद्यालयों की रिक्त सीटों के अनुरूप द्वितीय चरण की लॉटरी के लिए अपनी वरीयता अंकित करते हुए आवेदन करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था। द्वितीय चरण की लॉटरी में बच्चों को उनकी चुनी गई वरीयता के आधार पर निजी विद्यालयों में सीट का आवंटन 20 मई को ऑनलाइन लॉटरी की स्वचालित कंप्यूटर प्रक्रिया द्वारा किया गया। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह द्वारा द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया गया। नर्सरी कक्षा में 7 हजार 599, केजी 1 में 2 हजार 747 और कक्षा 1 में 1 हजार 139 बच्चों का दाखिला हुआ। इस अवसर पर संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह ने लॉटरी में चयनित बच्चों को उनकी पसंद का स्कूल आवंटित होने पर बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था निर्मित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग और मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन टीम की प्रशंसा भी की। इस वर्ष आरटीई के तहत लॉटरी के लिए दस्तावेज सत्यापन के उपरांत 1 लाख 80 हजार 875 बच्चे पात्र चयनित हुए थे, जिनमें से 1 लाख 6 हजार से अधिक बच्चों को शाला आवंटन प्राप्त हुआ था। इसके उपरांत 97 हजार 052 बच्चों के द्वारा चयनित स्कूलों में प्रवेश लिया जा चुका है। आज आयोजित हुई द्वितीय चरण की लॉटरी में 11 हजार 485 और बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में प्रवेश आवंटन प्राप्त हुआ

ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में महू बंद सफल, दवा व्यापारियों ने निकाली रैली

महू, ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के राष्ट्रव्यापी बंद के आह्वान पर महू के दवा व्यापारियों ने बुधवार को अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

महू केमिस्ट एसोसिएशन ने बंद को समर्थन देते हुए शहर सहित तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में भी मेडिकल स्टोर बंद रखे। सुबह एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदुम महेश्वरी एवं सचिव मनोज व्यास के नेतृत्व में बड़ी संख्या में दवा व्यापारी शहर के प्रमुख मार्गो पर एकत्रित होकर निकले। व्यापारियों ने रैली निकालकर बंद को सफल बनाने का संदेश दिया। दवा व्यापारियों ने ऑनलाइन फार्मेसी की अनियंत्रित व्यवस्था तथा बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा दिए जा रहे भारी छूट का विरोध जताया। व्यापारियों का कहना है कि इससे छोटे दवा विक्रेताओं का व्यापार प्रभावित हो रहा है, इसलिए सरकार को इस व्यवस्था पर सख्त नियंत्रण करना चाहिए। महू सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी बंद का व्यापक असर देखने को मिला। हालांकि नर्सिंग होम से जुड़ी मेडिकल दुकानों पर लोग आवश्यक दवाइयां लेने पहुंचते रहे। महू केमिस्ट एसोसिएशन ने बंद को सफल बनाने वाले सभी दवा व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सहयोग बनाए रखने की उम्मीद जताई।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी : प्रेम, करुणा और चैतन्य की दिव्य धारा

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी का वर्णन करने योग्य शब्द शायद ही कोई जुटा सकता है। विश्व के अनेक देशों में बड़े शहरों से लेकर छोटे गांवों तक में लाखों साधकों ने श्री माताजी के आशीर्वाद को, उनके गुरुत्व को तथा उनकी दिव्यता को आत्मसात् किया। श्री माताजी का अवतरण मानव सभ्यता के विकास क्रम में एक ऐसा पड़ाव है जो मानव की उत्पत्ति को संपूर्णता प्रदान करता है। श्री कृष्ण ने रणक्षेत्र में अर्जुन के माध्यम से योग, कर्म व भक्ति का जो संदेश इस संसार को गीता के रूप में प्रदान किया श्री माताजी ने उसी ज्ञान को कुंडलिनी की जागृति द्वारा बड़े ही सहज तरीके से साधकों के अंतःकरण में प्रकाशित कर दिया। सहजयोग वास्तव में शब्दों का नहीं वरन् अनुभव का ज्ञान है। शब्द बुद्धि का संवाद है जबकि परमशक्ति से योग हृदय का समर्पण जहां शब्दों के लिए कोई स्थान नहीं होता। श्री माताजी परमशक्ति हैं कोई भी व्यक्ति उनकी व्याख्या नहीं कर सकता। हम उन्हें कुछ दे नहीं सकते सिर्फ़ उनसे पा सकते हैं। जिस क्षण हम संपूर्ण रूप से उनके श्री चरणों पर समर्पित हो जाते हैं उनकी कृपा का अमृत सभी ओर से हम पर बरसने लगता है। श्री माताजी प्रेम व करूणा का सागर हैं, शक्ति का प्रदीप सूर्य हैं, शीतल चेतन्य को प्रवाहित करने वाला चंद्र हैं, धैर्य को धारण करने वाली धरा हैं। उनके लिए कुछ भी असम्भव नहीं बस आपका विश्वास, समर्पण व भक्ति अखंड होनी चाहिए। श्री माताजी ने स्वयं ये दिव्य संदेश दिया है कि,"हर कदम, हर जगह आपके साथ हम खड़े हैं, हर जगह कहीं पर भी आप हो कहीं पर भी आप रहो हर जगह हम आपके साथ हैं काया, मन, वाचा पूर्णतया। यह हमारा प्रॉमिस है एक पल भी आपसे दूर नहीं। जिस पल भी आप आंख बंद कर मुझे याद करेंगे मैं पूर्ण शक्ति लेकर शंख, चक्र, गदा पद्म, गरुण ले सिधाए। एक क्षण भी विलम्ब नहीं लगेगा लेकिन आपको मेरा होना पड़ेगा ये जरूरी है यदि आप मेरे हैं तो एक क्षण भी नहीं लगेगा मैं आपके पास आ जाऊंगी। सबको परमात्मा सुखी रखे, सुबुद्धि दे, सन्मति से रहो।"

सहजयोग पूर्णतः निशुल्क है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें।

भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

कांग्रेसजनों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि, राजीव गांधी जी के योगदान को किया याद

शिवपुरी जिला ब्यूरो चीफ हेमंत भार्गव

शिवपुरी। भारत रत्न एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज मेरे निज निवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा देश के विकास, युवा शक्ति को सशक्त बनाने और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर समस्त वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भैया मुकद्दर खान (मुट्टे) जी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष आदरणीय श्री राजीव श्रीवास्तव जी (डी.पी.), प्रदेश नगरीय निकाय प्रकोष्ठ महासचिव भैया श्री दिनेश पाल जी (वार्ड पार्षद 14), वरिष्ठ नेता सना मोहम्मद जी, बड़े भाईसाब श्री राजा बैटरी, श्री रफीक खान जी, श्री आजाद खान जी, श्री अजिय्या खान जी, श्री पवन लिधौरिया, श्री मुजीब जी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महिला कांग्रेस की ओर से सुश्री लाली बेदोरिया, श्रीमती मीरा रजक, श्रीमती राधिका जी, श्रीमती किरण रजक, श्रीमती रिया खटीक, श्रीमती राजकुमारी जी, श्रीमती जानकी बाई, श्रीमती गीता बाई एवं समस्त महिला कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वर्गीय राजीव गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने देश को आधुनिक तकनीक, पंचायती राज व्यवस्था एवं युवाओं को नई दिशा देने का कार्य किया, जिसे देश हमेशा याद रखेगा। कार्यक्रम का समापन दो मिनट का मौन रखकर किया गया।

समान नागरिक संहिता पर जनपरामर्श बैठक 23 मई को होगी आयोजित

इन्दौर. मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code) के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की जनपरामर्श बैठक आगामी 23 मई 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे जाल सभागृह इंदौर में आयोजित की जाएगी। बैठक का उद्देश्य समान नागरिक संहिता से जुड़े विभिन्न सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों तथा विभिन्न वर्गों के सुझाव प्राप्त करना है।

बैठक में समिति के सदस्य श्री शत्रुघन सिंह (सेवानिवृत्त भा.प्र.से.), श्री अनूप नायर (कानूनविद), श्री गोपाल शर्मा (शिक्षाविद) और श्री बुधपाल सिंह (सामाजिक कार्यकर्ता) मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा गठित यह समिति प्रदेश में समान नागरिक संहिता के विभिन्न आयामों का अध्ययन कर सुझाव प्रस्तुत करेगी। जनपरामर्श बैठकों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में जनप्रतिनिधियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत संगठन-संस्थाओं आदि के प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।

शादी समारोह में पिता से गाली गलौज का बदला लेने के लिए यूपीएससी की तैयारी कर रहे युवक ने थाटीपुर क्षेत्र में रामवीर गुर्जर पर हमला किया था

ग्वालियर-जिला रिपोर्टर

थाटीपुर चौराहे के पास बीते सप्ताह सुबह नाश्ता कर रहे रामवीर गुर्जर पर लाठी सरियों से हमला कर फरार हुए तीन हमलावरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, पकड़े गए हमलावरों ने बताया कि रामवीर व उसके साथियों ने 20 दिन पूर्व एक शादी समारोह में उनके पिता से गाली गलौज किया था उसका बदला लेने के लिए उस पर हमला किया था। दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर के भी पूर्व विवाद चल रहा है।

राऊ। कल रात 2 बजे 5 नंदी एक वाहन में पैक करके महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था बजरंग दल को सूचना मिलते ही गाड़ी को दबोचा और 5 नंदी को कटने से बचाया

समग्र आईडी को आधार से लिंक कर अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी पूर्ण करें

जनपद पंचायत डॉ. अंबेडकर नगर महू, जिला इंदौर

समग्र आईडी ई-केवाईसी अभियान अंतर्गत सभी नागरिकों से अपील की जाती है कि वे अपनी समग्र आईडी को आधार से लिंक कर अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी पूर्ण करें।

शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु समग्र ई-केवाईसी आवश्यक है। ई-केवाईसी नहीं होने की स्थिति में हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है।

ई-केवाईसी की प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं ऑनलाइन है। नागरिक अपने मोबाइल फोन से QR Code स्कैन कर अथवा समग्र पोर्टल पर जाकर अपनी समग्र आईडी दर्ज कर आधार नंबर एवं OTP सत्यापन के माध्यम से ई-केवाईसी पूर्ण कर सकते हैं।

जनपद पंचायत द्वारा सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सभी सचिव, रोजगार सहायक एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया गया है कि अधिक से अधिक नागरिकों का ई-केवाईसी कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

जनसामान्य से अनुरोध है कि वे स्वयं भी ई-केवाईसी कराएं तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर एवं बिना बाधा प्राप्त हो सके।

"आज ही ई-केवाईसी कराएँ, शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पाएँ।"

बढ़ते जलसंकट को लेकर जनप्रतिनिधियों की बैठक

इंदौर में जलसंकट की स्थिति गंभीर होने लगी है और जनप्रतिनिधियों को भी जनता कोस रही है। पिछले दिनों विधायक महेंद्र हार्डिया ने जलसंकट के मुद्दे पर नाराजगी जताई थी।

अब जलसंकट से निजात पाने के लिए मेयर पुष्य मित्र भार्गव, कलेक्टर और निगमायुक्त ने गुरुवार को विधायकों के साथ बैठक ली। ज्यादातर विधायकों ने टैंकरों से टंकियां भरने का विरोध किया। अन्य विधायकों ने भी अपनी राय व्यक्त की और सुझाव दिए।

विधायक रमेश मेंदोला ने कहा कि शहर में नल कम दबाव से आ रहे हैं। पानी की टंकियों से टैंकर भरने से टंकियां खाली हो रही हैं। नगर निगम को नए हेडिंग बनाना चाहिए। जल वितरण के प्रबंधन पर भी ध्यान देना चाहिए। विधायक मधु वर्मा ने कहा कि सुबह नल आने के समय लोग पंप लगाकर पानी खींचते हैं। सुबह आधे घंटे बिजली कटौती होगी तो 30 प्रतिशत समस्या हल हो जाएगी। वर्मा ने कहा कि नगर निगम जल वितरण का काम देख चुके पुराने अफसरों के अनुभव का भी लाभ उठाएं। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि नया पानी तो नहीं लाया जा सकता। जितना पानी नर्मदा नदी से आ रहा है, उसी का ठीक से वितरण करना होगा।

उन्होंने कहा कि हम सांसद निधि से बोरिंग कराने के लिए तैयार हैं, लेकिन उसका मेंटेनेंस होना चाहिए। विधायक गोलू शुक्ला ने कहा कि पानी की समस्या से जनता को निजात दिलाने के लिए वे क्षेत्र में 50 ट्यूबवेल विधायक निधि से करवा रहे हैं। जनता को समान रूप से पानी मिलना चाहिए।

विधायक महेंद्र हार्डिया और पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने भी अपनी बात रखी। विधायकों ने यह भी कहा कि कई लोग नगर निगम में टैंकर लगाने के लिए राजी नहीं रहते हैं। उनका भुगतान रुका पड़ा है। इस पर निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि हाल ही में तीन करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। विधायकों ने कहा कि जलसंकट की चिंता फरवरी माह से ही शुरू कर उसके हिसाब से प्लानिंग करनी चाहिए। अफसरों को जल यंत्रालय के साथ दूसरे काम भी दे रखे हैं। इस कारण वे जल प्रबंधन पर ठीक से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।

तबीयत खराब होने के कारण मिश्रा नहीं आ पाए

इस बैठक में भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा भी आने वाले थे, लेकिन बीमार होने के कारण उन्हें अस्पताल जाना पड़ा। इस कारण वे बैठक में शामिल नहीं हो सके। दिल संबंधी समस्या के कारण उन्हें विशेष अस्पताल में भर्ती किया गया है।

नौकरी-धंधे छोड़ पानी की चिंता करने लगे लोग

पानी के लिए कई लोग परेशान हो गए हैं। ज्यादा स्थिति बस्तियों में खराब है, जहां लोग सार्वजनिक नलों और टंकियों से पानी भरते हैं। वहां टंकियां खाली हो रही हैं और लोगों को नौकरी-धंधे छोड़कर पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। कोई सुबह सब्जी बेचने से पहले ठेले पर केन ला रहा है, तो कोई ऑटो रिक्शा में यात्री बैठाने के बजाय केन से पानी भरने टंकियों पर जा रहा है। पालदा क्षेत्र के बाबूलाल नगर में दस दिन से नल नहीं आ रहे हैं। लोग पानी के टैंकरों के इंतजार में दिनभर बैठे रहते हैं। इसी इलाके में एक रिक्शा चालक रिक्शा में पानी ढोता नजर आया। अब तो पानी की टंकियों पर भी कतारें लगने लगी हैं।

पीथमपुर की एक प्लास्टिक बैग बनाने वाली कंपनी में लगी भीषण आग

पीथमपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां आज सुबह एक प्लास्टिक बैग बनाने वाली कंपनी 'फ्लेक्सी टफ टेक्नोलॉजी' में अचानक भीषण आग लग गई।

आग इतनी तेजी से फैली कि उसने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। गनीमत यह रही कि समय रहते कंपनी में काम कर रहे 90 से अधिक मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हादसे ने कंपनी के सुरक्षा दावों और पुख्ता इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब 9:30 बजे की है। कंपनी के स्क्रैप यार्ड में रखे थिनर और पेंट के ड्रमों से आग की शुरुआत हुई थी।

चूंकि मामला प्लास्टिक बैग बनाने वाली फैक्ट्री का था और वहां भारी मात्रा में थिनर मौजूद था, इसलिए कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे यार्ड को अपनी चपेट में ले लिया और आसमान में धुएं का गुबार छा गया। जिस समय आग लगी, उस वक्त फैक्ट्री के भीतर 90 से अधिक मजदूर काम कर रहे थे।

आग की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस बल और कंपनी प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए सभी मजदूरों को सुरक्षित रूप से कंपनी परिसर से बाहर निकाला। राहत की बात यह है कि इस घटना में अभी तक किसी के भी हताहत होने या झुलसने की खबर नहीं है।

कंपनी के सेफ्टी ऑफिसर दीपक दुबे ने बताया कि सुबह करीब 9:00 बजे यार्ड से हल्का धुआं उठता हुआ दिखाई दिया था। धुआं देखते ही कर्मचारियों ने अपने स्तर पर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। लेकिन स्क्रैप यार्ड में भारी मात्रा में थिनर, पेंट के ड्रम और प्लास्टिक सामग्री मौजूद होने के कारण आग ने तेजी पकड़ ली और देखते ही देखते पूरे यार्ड को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद तुरंत फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक (CSP) रवि सोनेर भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सीएसपी रवि सोनेर ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीमें तुरंत एक्टिव हो गई थीं। फिलहाल क्षेत्र में शांति है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। एहतियात के तौर पर मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। वर्तमान में कुल छह दमकल वाहन लगातार आग बुझाने के काम में जुटे हुए हैं। इस पूरे हादसे में किसी भी जनहानि या किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

नवनियुक्त अध्यक्ष श्री जैन ने संभाला मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल का कार्यभार

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ प्रभार हस्तांतरण

इन्दौर. नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की गरिमामयी उपस्थिति में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री ओम जैन ने पदभार ग्रहण किया।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि मंडल को एक अत्यंत अनुभवी और योग्य नेतृत्व प्राप्त हुआ है। अध्यक्ष श्री जैन के दीर्घ प्रशासनिक अनुभव, विजन और कुशल मार्गदर्शन में मंडल के विकास कार्यों को एक नई गति और ऊँचाई मिलेगी।

लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण और सर्वसमावेशी आवास का संकल्प

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने मंडल के आगामी लक्ष्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश के बड़े महानगरों में बड़े प्रोजेक्ट्स का क्रियान्वयन किया जाना है। हमारा मुख्य ध्येय मध्यम और निम्न-मध्यम श्रेणी के परिवारों के लिए सर्वसुविधायुक्त मकान निर्मित करना है। बड़े शहरों में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए स्वयं का आशियाना बनाना मुश्किल कार्य हो गया है, इसलिए मंडल को पूरी शुचिता और लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण के साथ कार्य करना होगा। 'नए भारत के संकल्प' के अंतर्गत, देश की आजादी के 100वें वर्ष तक हर नागरिक को गरिमापूर्ण आवास उपलब्ध कराना हमारा ध्येय है।

अनुभव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से होगा कार्य

नवनियुक्त अध्यक्ष श्री जैन ने मंत्री श्री विजयवर्गीय के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि उनका लंबा राजनैतिक-प्रशासनिक अनुभव हमारे लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा। श्री जैन ने भावुक होते हुए कहा, वर्ष 1983 से जनसेवा में सक्रिय श्री विजयवर्गीय की कार्यशैली, तन्मयता और उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुकरणीय है। हम उनके द्वारा दिए गए समस्त निर्देशों और प्राथमिकताओं का अक्षरशः पालन करते हुए मंडल को विकास के नए प्रतिमानों पर ले जाएंगे।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने कहा कि यह संपूर्ण विभाग और मंडल का सौभाग्य है कि हमें मंत्री श्री विजयवर्गीय का सकारात्मक, ऊर्जावान और विजनरी नेतृत्व मिला है। उनके मार्गदर्शन के अनुरूप ही मण्डल सदस्यों ने तत्परता से कार्य किया है। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने मण्डल अध्यक्ष श्री जैन को आश्वस्त किया कि मंडल के सभी सदस्य उनके साथ पूर्ण तत्परता और समर्पण भाव से कार्य करेंगे। हमारा लक्ष्य शहरी क्षेत्रों का पर्यावरण के अनुकूल, सस्टेनेबल और सुव्यवस्थित विकास करना है। पदभार ग्रहण करने बाद अध्यक्ष श्री जैन ने मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और आगामी कार्य-योजनाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस गरिमामयी अवसर पर मंडल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव सहित मंडल के सभी सदस्य, अभियंता और वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दवाई दुकानें बंद के दौरान, जिला चिकित्सालय में दवाई वितरण केंद्र दिनभर खुला रहा : सिविल सर्जन डॉ रावत

मंदसौर. सिविल सर्जन डॉ. रावत द्वारा बताया गया कि केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट संगठन द्वारा आयोजित हड़ताल के मद्देनजर जिला चिकित्सालय मन्दसौर में मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर (दवाई वितरण केंद्र) को विशेष व्यवस्था के तहत प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक लगातार संचालित किया गया।

साथ ही जिला चिकित्सालय में आपातकालीन सेवाएं 24 घंटे सुचारु रूप से जारी रहीं। हड़ताल के कारण जिले में कई निजी मेडिकल स्टोर बंद रहे, लेकिन जिला चिकित्सालय के दवाई वितरण केंद्र पर मरीजों को आवश्यक दवाइयाँ लगातार उपलब्ध कराई गईं। अस्पताल प्रशासन द्वारा विशेष मॉनिटरिंग करते हुए यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी मरीज को दवाई के अभाव में परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान दवाई वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सभी कर्मचारियों ने समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए मरीजों को समय पर दवाइयाँ उपलब्ध कराईं। जिला चिकित्सालय प्रशासन द्वारा आमजन को यह संदेश भी दिया गया कि अस्पताल में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एवं दवाई वितरण व्यवस्था निरंतर जारी है तथा मरीजों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन

इन्दौर. मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है।

भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये किया गया है। इससे व्यापारी समुदाय के कल्याण के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए बेहतर वातावरण निर्मित करने और प्रदेश के निर्यात को बढ़ावा मिल सकेगा।

समिति में मंत्री औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और मुख्यमंत्री द्वारा नामित अधिकतम 10 सदस्य होंगे। अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव/ सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, वाणिज्यिक कर, वित्त, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, लोक निर्माण, खनिज साधन, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, पशुपालन एवं डेयरी, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विमानन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन विभाग और सीईओ, राज्य नीति आयोग, क्षेत्रीय प्रमुख-भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय अधिकारी-नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, वरिष्ठ प्रबंधक-भारतीय कन्टेनर निगम, सीजीएम-नाबार्ड, शाखा प्रबंधक-ईसीजीसी, एक्जीम बैंक, क्षेत्रीय प्रमुख-एपिडा, आयुक्त-एफएसएसएआई, सीईओ-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन आधिकारिक-सदस्य होंगे।

सीईओ-अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, संचालक-आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी को संस्था के पदेन सदस्य और राज्य प्रमुख-सीआईआई, फिक्की, फिओ, डिक्की, लघु उद्योग भारती एवं अन्य राज्य स्तरीय व्यापार समिति तथा संघ को शीर्ष चेम्बर्स से पदेन सदस्य मनोनीत किया गया है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन, भोपाल को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। अध्यक्ष की अनुमति से मध्यप्रदेश राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा सकेगा। जिला स्तरीय समिति (डी.एल.सी) के गठन एवं कार्य क्षेत्र का निर्धारण सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तावित कर समन्वय में अनुमोदन के बाद किया जायेगा। बोर्ड की बैठक कैलेंडर वर्ष में 4 बार अर्थात् 3 माह में एक बार आयोजित की जाएगी।

महू एवं मानपुर पोषण पुर्नवास केन्द्रों का किया गया औचक निरीक्षण

इन्दौर. गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की समय पर पहचान एवं प्रबंधन संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य तथा पोषण सेवाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पोषण पुर्नवास केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

शिशु व मातृ मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाना राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। इस उद्देश्य से प्राप्त निर्देशों के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी तथा महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा द्वारा गत दिवस एन.आर.सी. महू तथा मानपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा चिकित्सकीय देखभाल की विस्तृत समीक्षा की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने केंद्र की टीम के साथ चर्चा करते हुए बच्चों के पोषण, उपचार एवं पुनर्वास प्रक्रिया पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। दोनों पोषण पुनर्वास केंद्रों कुल 22 बच्चे थे, जिसमें 15 मानपुर में एवं 07 महू एनआरसी के थे। महू एनआरसी में मौजूद एक शिशु की माता हेतु भी विशेष भोजन एवं अतिरिक्त पौष्टिक आहार देने हेतु भी खंड चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने सिविल अस्पताल महू के परिसर की साफ-सफाई में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर रोज नियमित सफाई , डिसइन्फेक्शन तथा शौचालयों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने भी महिला एवं बाल विकास के मैदानी कार्यकर्ताओं की टीम को बच्चों के पोषण आहार की गुणवत्ता बनाए रखने तथा माताओं को पोषण संबंधी जागरूकता प्रदान करने के लिए निर्देशित किया एवं भविष्य में भी जिले एवं विकासखंडों के दोनों विभागों के अधिकारियों का संयुक्त भ्रमण जारी रहेगा।

विद्यार्थियों ने समझे एयरोडायनामिक्स के वैज्ञानिक सिद्धांत

भोपाल. मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकॉस्ट) भोपाल के अंतर्गत संचालित "सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग" में दो दिवसीय "एयरोमॉडेलिंग : डिजाइन, बिल्ड एंड फ्लाई" कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 32 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यशाला में विद्यार्थियों ने विमान मॉडल के डिजाइन, निर्माण और उड़ान से जुड़े वैज्ञानिक सिद्धांतों को व्यवहारिक एवं गतिविधि आधारित तरीके से समझा। विद्यार्थियों ने विभिन्न एयरोमॉडल तैयार किए और उनके उड़ान परीक्षण भी किए। इससे विद्यार्थियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि और अधिक विकसित हुई।

मैपकॉस्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें जिज्ञासु बनने, प्रश्न पूछने की आदत विकसित करने और रचनात्मक चिंतन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सीखने की प्रक्रिया केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने ज्ञान एवं अनुभवों के माध्यम से एक-दूसरे की सहायता करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और टीमवर्क की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक एवं उसके विभिन्न भागों की कार्यप्रणाली की जानकारी भी दी गई। साथ ही उन्हें आधुनिक एयरोस्पेस तकनीकों से परिचित कराया गया। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को एयरोडायनामिक्स, संतुलन, नियंत्रण एवं उड़ान के मूलभूत सिद्धांत सरल और रोचक गतिविधियों के माध्यम से समझाए।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता एवं वैज्ञानिक सोच का विकास करना था। समापन अवसर पर प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर मैपकॉस्ट के कार्यकारी संचालक डॉ. विवेक कटारे और संयुक्त परियोजना संचालक डॉ. मनोज राठौर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री यादव आईबीसीए के प्री-समिट इवेंट का करेंगे शुभारंभ

20 बाइक एवं एक रेस्क्यू ट्रक को झण्डी दिखाकर करेंगे रवाना

शुक्रवार 22 मई को भोपाल में होगा जैव विविधता संरक्षण और बिग कैट संवर्धन पर होगा मंथन

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 के अवसर पर इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) प्री-समिट इवेंट का 22 मई 2026 को शुभारंभ होगा।

भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम) ऑडिटोरियम, भोपाल में होने वाले इस प्री-समिट इवेन्ट में केंद्रीय पर्यावरण और वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह और वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, मध्यप्रदेश शासन, इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस तथा भारतीय वन प्रबंधन संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केन्द्रीय मंत्री श्री यादव प्रातः 9:50 पर वन विभाग द्वारा आयोजित 20 बाइक एवं एक रेस्क्यू ट्रक को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम में जैव विविधता संरक्षण , वन्यजीव संवर्धन तथा विशेष रूप से बिग कैट संरक्षण के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस के महानिदेशक डॉ. एस.पी. यादव आईबीसीए की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रस्तुति देंगे। साथ ही मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा भारत में चीता पुनर्स्थापन अभियान पर विशेष प्रस्तुति भी दी जाएगी।

आईईसी सामग्री का होगा विमोचन

कार्यक्रम में जैव विविधता एवं संरक्षण से संबंधित अनेक प्रकाशनों और डिजिटल पहलों का विमोचन एवं लोकार्पण किया जाएगा। इनमें डाक टिकट, 'इंडियाज बायोडायवर्सिटी रिपोर्ट 2026', नागोया प्रोटोकॉल पर भारत की पहली राष्ट्रीय रिपोर्ट तथा एबीएस एंड-टू-एंड वेब पोर्टल शामिल हैं। इसके साथ ही एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग, अमरकंटक बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट तथा मध्यप्रदेश के पवित्र वनों के संरक्षण पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

इस आयोजन से जैव विविधता संरक्षण , पर्यावरण संतुलन तथा वन्य जीव संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ेगी, साथ ही भारत की प्रतिबद्धता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित होगी।

एमपी ट्रांसको ने भिंड में ऊर्जीकृत किया अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर

भिंड जिले की पारेषण क्षमता में हुई वृद्धि - मंत्री श्री तोमर

भोपाल. ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने 132 केवी सब स्टेशन भिंड की क्षमता वृद्धि करते हुए 50 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है।

इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से सब स्टेशन की ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी बढ़कर 153 एम वी ए की हो गई है। इस सब स्टेशन में यह तीसरा ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है, इससे सब स्टेशन में बढ़ते लोड का उचित प्रबंधन किया जा सकेगा।

एमपी ट्रांसको भिंड जिले में अपने 8 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण का कार्य करती है, जिसमें 132 केवी सबस्टेशन भिंड के अलावा 220 केवी सब स्टेशन मालनपुर, 220 केवी सबस्टेशन मेहगांव एवं 132 केवी सब स्टेशन लाहर, प्रतापपुरा, रान, गोहद एवं गोरमी शामिल है।इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से भिंड जिले की ट्रांसफारमेशन केपेसिटी बढ़कर 1619 एम वी ए की हो गई।

स्कूली शिक्षा में कक्षा 8 से 12 में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के कौशल को किया जाये शामिल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इन्दौर.मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सम्राट विक्रमादित्य की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाये। गुरू सांदीपनि के जीवन पर भी रोचक पुस्तक तैयार की जाए। स्कूली शिक्षा में कक्षा 8 से 12 में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के कौशल को कैसे जोड़ा जाए, इस पर भी एक कार्य योजना तैयार की जाए।

निजी विद्यालय खोलने के लिए सामाजिक संस्थाओं और संगठनों को प्रोत्साहन दिया जाए। अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया एक जुलाई से पहले पूरी कर ली जाए। सत्र प्रारंभ होने से पहले स्कूलों में सभी पूर्व तैयारियां कर ली जाएं। प्रदेश की सभी आंशिक जीर्ण-शीर्ण शालाओं की तत्काल मरम्मत करा ली जाए। सभी स्कूलों में बाउण्ड्री वॉल्स बनाई जाए। एक जुलाई से गुरू पूर्णिमा (29 जुलाई) तक "शिक्षक वंदना कार्यक्रम", अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं और अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारी सरकार सांदीपनि विद्यालय जैसी अत्याधुनिक शालाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर प्रदेश की नींव मजबूत कर रही है। प्रदेश के हर विद्यार्थी तक उत्कृष्ट शैक्षणिक सुविधाएं और संसाधन समय पर पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विभागीय गतिविधियों में तेजी लाएं और 16 जून से प्रारंभ हो रहे शैक्षणिक सत्र से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूलों में पूर्व छात्र-छात्रा सम्मेलन कराए जाएं, ताकि ऐसे विद्यार्थी जो अपने विद्यालय से भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, वे उस विद्यालय के विकास-विस्तार में कुछ योगदान भी कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परीक्षा परिणामों को और अधिक बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने, नियमित मॉनीटरिंग, तकनीक और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धति अपनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जिन शालाओं में शत-प्रतिशत रिजल्ट आया है, उनके शिक्षकों का सार्वजनिक सम्मान किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की 26 शालाएं ऐसी हैं, जहां शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम आया है। यहां के सारे विद्यार्थी उत्तीर्ण हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन शालाओं के अतिरिक्त 90 या 95 प्रतिशत से अधिक रिजल्ट देने वाली शालाओं को भी सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय की अवधारणा/योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी तैयार की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को ऐसे जिलों को चिन्हित करने को कहा, जहां सभी शालाओं में सभी प्रकार की व्यवस्थाएं उपलब्ध हों, साथ ही भौतिक एवं मानव संसाधन की कमी वाले जिलों की भी अलग श्रेणी तैयार की जाए। इससे सरकार को इन्हीं जिलों पर फोकस करने में आसानी होगी। कमी वाले जिलों पर इसी साल से काम प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारी स्थानीय विधायक के साथ बैठकर पूरी विधानसभा क्षेत्र के स्कूलों में व्यवस्थाओं की बेहतरी के लिए प्रयास करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनके द्वारा समय-समय पर की गई सभी घोषणाओं का जल्द से जल्द पालन करायें। एक वर्ष से पुरानी कोई भी घोषणा लंबित न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्तमान में स्कूल शिक्षा विभाग की संचालित 14 विभागीय योजनाओं को निरंतर रखने की सहमति दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतरी के लिए सरकार हर जरूरी प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटे बच्चों की शिक्षा के लिए प्रारंभ से ही माहौल बनाया जाए। महिला बाल विकास विभाग भी इसमें योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर अब प्रदेश के इतिहास में पहली बार स्कूल शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग बच्चों की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के लिए एक साथ मिलकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन हाईस्कूलों के आस-पास हायर सेकेण्डरी स्कूल उपलब्ध नहीं हैं, ऐसे हाईस्कूलों को चिन्हित कर उन्हें हायर सेकेण्डरी स्कूलों में प्रोन्नत करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

शालाओं में दिया जाए व्यावसायिक प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की शालाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाए। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी कक्षाओं में कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का भी अध्ययन कराया जाए। व्यावसायिक प्रशिक्षण को दृष्टिगत रखते हुए संभव हो तो क्षेत्रीय स्व-सहायता समूहों को भी ऐसी शालाओं और विद्यार्थियों से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को सभी विभागों के विद्यालयों को एक करने की योजना पर तेजी से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में एनसीसी, एनएसएस जैसे सामाजिक सेवा कार्य को भी बढ़ावा देने वाली इकाइयों को प्रोत्साहित करें। विद्यालयों में स्वास्थ्य परीक्षण, ड्राइविंग लायसेंस कैम्प, प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के भी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय स्कूलों से पास आउट विद्यार्थी 12वीं कक्षा के बाद उच्च शिक्षा, रोजगार, कृषि कार्य, पैतृक व्यवसाय, कौशल प्रशिक्षण जैसे किस कार्य/रोजगार में लगे हैं, इसकी ट्रैकिंग भी होनी चाहिए। इससे सरकार के पास हमारे युवाओं का एक डेटाबेस तैयार होगा।

शासकीय स्कूलों में बढ़ी नामांकन की दर

बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा ने बताया कि शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन वृद्धि के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आया है। वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 में शासकीय विद्यालयों में कक्षा-1 में नामांकन में करीब 32.4 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं कक्षा 9 से 12 के नामांकन में 4.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इस साल प्रदेश के सभी शासकीय स्कूलों में 1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। अप्रैल माह में ही 92 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों को शाला में प्रवेश दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में राजगढ़ जिले के भैंसवा माता एव नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में संस्कृति विद्यालय प्रारंभ किए गए हैं।

शिक्षा घर योजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा द्वारा 'शिक्षा घर योजना' के नाम से एक नई योजना का प्रजेंटेशन देने पर प्रस्तावित योजना की सराहना कर सैद्धांतिक सहमति दी। बैठक में बताया गया कि इस योजना में किसी वजह से स्कूली शिक्षा पूरी न कर पाने वाले विद्यार्थियों को हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण करने का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। योजना से ऐसे सभी किशोर/किशोरी, युवक/युवती लाभान्वित होंगे, जिन्होंने कक्षा 8 या इसके बाद की कक्षाओं में अनुत्तीर्ण होने पर पढ़ाई छोड़ कर दी थी। योजना का क्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश होगा, जिसमें प्रदेश की सभी ग्राम, पंचायतें और नगरीय निकाय भी शामिल होंगे। योजना का क्रियान्वयन म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

मध्य क्षेत्र विद्युत कंपनी क्षेत्र में अब तक 10 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगे

समय पर हो रही सटीक बिलिंग तथा रीडिंग, TOD में मिल रही 20 प्रतिशत की छूट

भोपाल. केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है।

जहां पर स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है तथा दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी मिल रही है।

कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 10 लाख 19 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाये गये हैं। इनमें सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में 04 लाख, 38 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए हैं। कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि नए टैरिफ आर्डर के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई बिजली पर 20 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने कहा है कि यह उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी।

स्मार्ट मीटर के फायदे

ऊर्जा की खपत को ट्रैक कर नियंत्रित करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती।

ऐप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं।

ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं। ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है। ऊर्जा की खपत को कम करने से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव कम होता है।

समाधान योजना में 29 लाख 81 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने लिया लाभ : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल. ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि समाधान योजना में 15 मई तक 29 लाख 81 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने सरचार्ज में छूट का लाभ लिया है। उन्होंने बताया है कि पिछले वर्ष 3 नवम्बर को समाधान योजना 2025-26 की शुरुआत हुई थी। योजना 15 मई तक लागू थी।

473 करोड़ 39 लाख का सरचार्ज हुआ माफ

मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 में 29 लाख 81 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लिया है। कुल 1497 करोड़ 45 लाख रूपये जमा किये गये हैं, जबकि 473 करोड़ 39 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 8 लाख 91 हजार बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 834 करोड़ 55 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 331 करोड़ 60 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है। इसी तरह पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 11 लाख 27 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

वर्षाकालीन आपदाओं से निपटने हेतु पूर्व तैयारी, रेस्क्यू एवं पुनर्वास कार्ययोजना पर हुई विस्तृत चर्चा

झाबुआ. आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए जिले में संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक मो विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ वर्षा काल के दौरान आने वाली संभावित आपदाओं, राहत एवं बचाव कार्यों, संसाधनों की उपलब्धता तथा विभागवार तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वर्षाकाल के दौरान जिले के सभी संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक पूर्व तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। विशेष रूप से ऐसे पुल-पुलियों एवं मार्गों को चिन्हित किया जाए जहां भारी वर्षा के दौरान जलभराव अथवा पानी का बहाव रहता है। इन स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, संकेतक एवं बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

कलेक्टर ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि वर्षा के दौरान विद्युत बाधित होने की स्थिति में त्वरित रेस्टोरेशन कार्य के लिए आवश्यक संसाधन एवं टीमों की पूर्व तैयारी रखी जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में इमरजेंसी मेडिसिन, आवश्यक उपकरण एवं मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में खाद्य विभाग को निर्देश दिए गए कि संभावित आपदा की स्थिति में खाद्यान्न वितरण प्रभावित न हो, इसके लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न भंडारण एवं वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए चारा, दवाइयों एवं उपचार की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा पशुहानि की स्थिति में आर्थिक सहायता संबंधी प्रकरण समय पर तैयार करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि आपदा की स्थिति में त्वरित सूचना एवं समन्वय अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए जिले में 24×7 कंट्रोल रूम संचालित किया जाए तथा समय-समय पर मौसम एवं आपदा संबंधी अलर्ट जारी किए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ करे।

बैठक में आपदा से प्रभावित व्यक्तियों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराने के लिए आरबीसी 6-4 अंतर्गत प्रकरण तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में विगत वर्षों में विभिन्न प्रकार की आपदाओं से हुई जनहानि एवं वित्तीय क्षति का आंकलन कर विस्तृत डेटा तैयार किया जाए, जिससे भविष्य की कार्ययोजना अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाई जा सके।

उन्होंने आपदा प्रबंधन में जनभागीदारी को आवश्यक बताते हुए कहा कि एनजीओ, जन अभियान परिषद, एनएसएस, एनसीसी, रेडक्रॉस एवं अन्य स्वयंसेवी संगठनों को भी आपदा प्रबंधन गतिविधियों में शामिल किया जाए, ताकि आपदा की स्थिति में त्वरित सहायता एवं राहत कार्य बेहतर तरीके से संचालित किए जा सकें।

बैठक में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट द्वारा जिले में उपलब्ध होमगार्ड 107, सिविल डिफेंस 1400, एसडीआरएफ 17 एवं वर्षाकाल के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित होमगार्ड जवानों 45 की जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही क्विक रिस्पांस टीम की गतिविधियों, उपलब्ध संसाधनों एवं आपदा प्रबंधन में उपयोगी आवश्यक उपकरणों के संबंध में भी विस्तार से अवगत कराया गया।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने बैठक के अंत में निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी आवश्यक आदेश एवं कमांड निर्धारित व्यवस्था के माध्यम से ही जारी किए जाएं, जिससे सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो एवं आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थान्दला, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर, तहसीलदार तथा अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह ने ग्राम हत्यादेली की नल जल योजना का किया निरीक्षण

झाबुआ. प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह द्वारा आज जिला झाबुआ के विकासखंड रामा अंतर्गत ग्राम हत्यादेली में संचालित नल जल योजना का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही पेयजल व्यवस्था की जानकारी ली तथा योजना के संचालन एवं रखरखाव की समीक्षा की।

प्रमुख सचिव श्री सिंह ने ग्राम की महिलाओं एवं ग्रामीणजनों से सीधे संवाद कर नल जल योजना से मिल रहे लाभ के संबंध में चर्चा की। ग्राम की महिलाओं ने बताया कि ग्राम में नियमित रूप से जल प्रदाय किया जा रहा है तथा जल कर की वसूली भी व्यवस्थित रूप से की जा रही है। ग्रामीणों ने योजना के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि नल जल योजना प्रारंभ होने से पेयजल की समस्या में काफी राहत मिली है तथा घरों तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का संचालन सतत एवं सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध होता रहे। उन्होंने जल स्रोतों के संरक्षण, समय पर संधारण कार्य एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री जितेन्द्र मावी, जल निगम से श्री कुलदीप सिंह, तहसीलदार सुश्री वैशाली सोलंकी, एसडीओ पीएचई श्री दयालु राठौर एवं संबंधित विभागीय अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बारहमासी आश्रम संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण

झाबुआ. सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन द्वारा 20 मई 2026 को थांदला विकासखंड अंतर्गत संचालित बारहमासी आश्रम संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संस्थाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों सहित निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान बारहमासी आश्रम कन्या अंग्रेजी माध्यम में 26 छात्राएं उपस्थित पाई गईं। सहायक आयुक्त द्वारा छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आश्रम में निवासरत छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु कढ़ाई-बुनाई, मेहंदी कला एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए गए।इसके पश्चात बारहमासी बालक आश्रम मकोड़िया का निरीक्षण किया गया, जहां मात्र 9 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए। संस्था में विभिन्न गतिविधियां संचालित नहीं पाए जाने पर सहायक आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मकोड़िया में निर्माणाधीन बालक एवं कन्या आश्रम भवनों का भी अवलोकन किया गया। निर्माण कार्यों में आवश्यक सुधार एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित ठेकेदार को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के समय बीईओ थांदला श्री दिपेश सोलंकी एवं प्रभारी उपयंत्री जनजातीय कार्य विभाग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020ः आंगनवाड़ी और स्कूलों के समन्वय से सुदृढ़ होगी प्रारंभिक शिक्षा की नींव

झाबुआ. छोटे बच्चों की पढ़ाई की शुरुआत अक्सर एक अनजान जगह से होती है, जहां उनको नया माहौल मिलता है।

इस माहौल के डर और झिझक को खत्म करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय को अब एक ही परिसर में लाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और 'मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0' के विजन को धरातल पर उतारने के लिए केन्द्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बड़ा और दूरदर्शी कदम उठाया है। अब आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों का को-लोकेट किया जा रहा है। इस व्यावहारिक रणनीति का उद्देश्य बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और देखभाल की एक ऐसी मजबूत नींव रखना है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल दो संस्थानों को एक परिसर में लाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह महिला एवं बाल विकास और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर बच्चों के लिए एक सुरक्षित, प्रेरक और उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल तैयार करने का महाअभियान है।

क्या बदलेगा इस व्यवस्था से-यह को-लोकेशन मॉडल मुख्य रूप से उन आंगनवाड़ी केंद्रों पर लागू किया जा रहा है जो प्राथमिक विद्यालयों के समीप स्थित हैं और जहाँ बच्चों के लिए सुरक्षित पहुँच उपलब्ध है। इसमें अस्थायी या सीमित संसाधनों वाले परिसरों में चल रहे आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिक विद्यालयों में स्थानांतरित कर अधिक सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। ऐसे विद्यालय जहाँ अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हैं, वहाँ आंगनवाड़ी केंद्रों को को-लोकेट किया जा रहा है जिससे शासकीय परिसंपत्तियों और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग हो सके। भौगोलिक कारणों से जिन क्षेत्रों में भौतिक रूप से को- लोकेशन संभव नहीं है.

30 जून तक चलाये पैक्स का सदस्यता अभियान : मुख्यमंत्री

अगले 3 साल में सभी कमजोर जिला सहकारी बैंक होंगे सुदृढ़-पैक्स कम्प्यूटराईजेशन पूर्ण ; जल्द ही मोबाहल ऐप पर ट्रांजेक्शन

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) में नवीन सदस्य बनने के लिए सदस्यता अभियान 30 जून तक चलाएं। गत 14 अप्रैल से शुरू सदस्यता अभियान के जरिए पैक्स में 10 लाख नवीन सदस्य जोड़ें।

उन्होंने कहा कि वर्ष में सवा लाख नए केसीसी स्वीकृति का लक्ष्य रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सुदृढ़ीकरण की सराहना करते हुए कहा है कि अगले 3 साल में सभी कमजोर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक का सुदृढ़ीकरण किया जाए। बताया गया कि गत ढाई वर्षों में 18 कमजोर जिला बैंकों में से 6 की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। शासकीय अंश पूंजी सहायता से 6 जिला बैंक रीवा, सतना, जबलपुर, शिवपुरी, ग्वालियर एवं दतिया को सुदृढ़ करने का प्रयास है। अगले चरण में अन्य 6 भिंड, मुरैना, रायसेन, सागर, सीधी और नर्मदापुरम बैंक के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पैक्स से लेन-देन की प्रक्रिया को मोबाइल ऐप के जरिए किए जाने के प्रयास किए जाएं। इस पर बताया गया कि प्रदेश की सभी 4536 पैक्स को केंद्र प्रायोजित कंप्यूटराइजेशन योजना अंतर्गत कंप्यूटरीकृत कराया गया है। शत-प्रतिशत कंप्यूटराइजेशन से योजना क्रियान्वयन में प्रदेश देश में अग्रणी है। जल्द ही मोबाइल ऐप के जरिए ट्रांजेक्शन भी किया जा सकेगा।

बैठक में बताया गया की बीज उत्पादक सहकारी संस्थाओं के माध्यम से गत 2 वर्षों में 14 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का उत्पादन एवं विपणन हुआ है। 1102 नई दुग्ध समितियों का गठन कर 5562 दुग्ध समितियों तथा वित्तीय समावेशन के लिए 76 हजार सदस्यों के खाते जिला सहकारी बैंक में खोले गए हैं। व्यापक स्तर पर भर्ती एवं संस्थागत क्षमता निर्माण के प्रयास किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियों के साथ भागीदारी एवं व्यवसाय

बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर की नवीन गठित तीन सहकारी समितियों के साथ भागीदारी एवं व्यवसाय किया गया है।भारतीय बीज सहकारी समिति लि. (BBSSL) के साथ प्रदेश के सहकारी बीज संघ ने MoU किया है जिससे 17 करोड़ रूपये का व्यवसाय और 844 पैक्स द्वारा सदस्यता प्राप्त हुई है।राष्ट्रीय सहकारी आर्गेनिक लि. (NCOL) के साथ प्रदेश के सहकारी विपणन संघ का MoU हुआ जिससे 1335 पैक्स द्वारा सदस्यता प्राप्त हुई। राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (NCEL) और प्रदेश के सहकारी संघ के साथ MoU में 1612 पैक्स द्वारा सदस्यता प्राप्त हुई। अभी उत्पादों का चिन्हांकन प्रक्रियाधीन है।

प्रशासन की मुस्तैदीः मुख्य मार्ग पर लगने वाले हाट बाजारों से अब नहीं लगेगा ट्रैफिक जाम

नायब तहसीलदार कविता सोलंकी की सराहनीय पहल

महेन्द्र मालवीय, रणजीत टाईम्स बुरहानपुर ब्यूरो :

जिले की जनपद पंचायत खकनार के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में लंबे समय से मुख्य मार्गों पर लगने वाले हाट बाजारों के कारण यातायात बाधित होने की समस्या बनी हुई थी। इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने अब बेहद सख्त और सकारात्मक रुख अपनाया है।

बुरहानपुर-अमरावती मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत तुकईथड़ में गुरुवार को लगने वाले हाट बाजार के कारण अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो जाती थी। इस जन-समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए प्रशासन ने धरातल पर उतरकर ठोस कदम उठाए हैं।

नायब तहसीलदार की त्वरित और कुशल कार्यवाही

यातायात को सुगम बनाने और आमजन को राहत देने के लिए नायब तहसीलदार कविता सोलंकी ने खुद कमान संभाली। उन्होंने सूझबूझ और तत्परता का परिचय देते हुए ग्राम पंचायत सचिव दीपक अंबिकर, मोहित यादव और अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर रेलवे ब्रिज के नीचे बेतरतीब ढंग से लगने वाली दुकानों को हाट बाजार के अंदर ही नई व सुरक्षित जगह पर स्थानांतरित करवाया। इसके साथ ही, मार्ग के किनारे बैठने वाले दुकानदारों को सड़क छोड़कर सुरक्षित स्थान पर बैठने की समझाइश दी गई। नायब तहसीलदार की इस त्वरित और योजनाबद्ध कार्यवाही की बदौलत इस गुरुवार को बाजार में किसी भी प्रकार की ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित नहीं हुई, जिससे राहगीरों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

पंचायत अमले की मुस्तैद निगरानी

नायब तहसीलदार के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत सचिव दीपक अंबिकर, मोहित यादव और पंचायत कर्मी राकेश ने बाजार क्षेत्र में शाम तक कड़ा पहरा दिया। टीम ने लगातार नजर रखी ताकि कोई भी दुकानदार दोबारा सड़क किनारे अतिक्रमण न कर सके। प्रशासन की इस सक्रियता से बाजार की व्यवस्था पूरी तरह बदली-बदली नजर आई।

एक सराहनीय शुरुआतः अतीत में खकनार क्षेत्र में ट्रैफिक जाम के कारण एम्बुलेंस फंसने जैसी दुखद घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में नायब तहसीलदार कविता सोलंकी द्वारा की गई यह अनुकरणीय कार्यवाही न केवल सराहनीय है, बल्कि भविष्य की बड़ी दुर्घटनाओं को टालने की दिशा में एक बड़ा और जीवन रक्षक कदम है।

भविष्य के लिए ग्रामीणों की उम्मीदें

प्रशासन की इस बेहतरीन और सख्त कार्यवाही की चारों ओर प्रशंसा हो रही है। ग्रामीणों और प्रबुद्ध जनों का मानना है कि यदि इसी तरह की सख्ती और प्रशासनिक इच्छाशक्ति आगे भी कायम रही, तो हमेशा के लिए इस समस्या से निजात मिल जाएगी। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन से यह भी अपेक्षा की है कि मुख्य मार्ग किनारे किए गए अन्य स्थायी अतिक्रमणों पर भी इसी तरह की निष्पक्ष और ठोस कार्यवाही की जाए, ताकि बुरहानपुर के ग्रामीण अंचलों की सड़कें सुरक्षित और सुगम बनी रहें। नायब तहसीलदार कविता सोलंकी की इस पहल ने यह साबित कर दिया है कि यदि प्रशासनिक इरादे मजबूत हों, तो व्यवस्थाओं को सुधरने में वक्त नहीं लगता।

अकादमी ने शिप्रा महिमा और शिप्रा स्तोत्रम् ग्रन्थ प्रकाशित किए

उज्जैन। कालिदास संस्कृत अकादमी ने उज्जयिनी की पहचान मोक्षदायिनी शिप्रा पर दो महत्त्वपूर्ण पुस्तकों शिप्रा महिमा और शिप्रास्तोत्रम् का प्रकाशन किया है। शिप्रा के महत्त्व को दर्शाने वाले पर इस प्रकार के ग्रन्थों के प्रकाशन की आवश्यकता कई दिनों से अनुभव की जा रही थी।कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के निदेशक डॉ. गोविन्द गन्धे ने बताया कि स्कन्द पुराण के अवन्ती क्षेत्र महात्म्य में उज्जयिनी का विस्तार के साथ वर्णन प्राप्त होता है। इसी पुराण में उज्जैन के देवालयों, जलतीर्थों और शिप्रा नदी का विस्तार से वर्णन है। स्कन्द पुराण के आधार पर सन् 1940 में श्री मार्तण्ड नारायण बर्डे के द्वारा मराठी भाषा में श्री शिप्रा नदी महात्म्य नाम से एक लघु पुस्तिका प्रकाशित की थी। चूँकि यह पुस्तक मराठी भाषा में सन् 1940 में प्रकाशित हुई थी और वर्तमान में हिंदी में अनुपलब्ध है। उक्त पुस्तक में शिप्रा नदी की उत्पत्ति की कथाएँ, महत्त्व, शिप्रा परिक्रमा वर्णन आदि का स्कन्द पुराण में विस्तार के साथ विवेचन है। जनसामान्य के लिए इतने महत्त्व की जानकारी संस्कृत मूल श्लोकों के हिन्दी अनुवाद के साथ उपलब्ध हो सके इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन ने मूल स्कन्द पुराण के अंशों के साथ उनका हिन्दी अनुवाद-तथा पूर्व में प्रकाशित मराठी पुस्तिका को भी हिन्दी अनुवाद सहित इस ग्रन्थ में प्रकाशित किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एलयूएन-22 सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं जी-1, कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाड़िया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)।